# ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ

**चित्रपट : जाल**

**गीतकार : साहिर लुधियानवी**

**संगीतकार : सचिन देव बर्मन**

**गायक : हेमंतकुमार एवं लता मंगेश्कर**

**साहिर लुधियानवी ने एक ही गीत में पंचकल, षटकल, सप्तकल, अष्टकल और संख्यामेल छंदों का अनोखा समन्वय किया है और सचिन देव बर्मन ने पूरे गीत में ८ मात्रिक ताल कहरवा का ही प्रयोग किया है।**

**छंदोलय में ऊपर बिंदी छंद के मुख्य पद्यभार को और नीचे बिंदी छंद के गौण पद्यभार को दर्शाती है। मुख्य पद्यभार संगीत में ताल के सम यानि कि ताल की पहली मात्रा से संबंधित है। पूरे गीत में मुख्य पद्यभार वाला अक्षर आठ मात्रिक ताल कहरवा की पहली या दूसरी मात्रा पर गाया गया है। अगर हम आठ मात्रिक ताल कहरवा को चार मात्रिक के हिसाब से समझेंगे तो मुख्य पद्यभार वाला अक्षर चार मात्रिक ताल कहरवा की पहली या डेढ़वीं (१.५वीं) मात्रा पर गाया गया है।**

**स्थायी के प्रास = लाल रंग**

**अंतरे के प्रास = हरा रंग**

ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

पेड़ों की शाखों पे सोई-सोई चाँदनी
तेरे ख़यालों में खोई-खोई चाँदनी
और थोड़ी देर में, थक के लौट जाएगी
रात ये बहार की, फिर कभी न आएगी
दो एक पल और है ये समाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

लहरों के होंटों पे धीमा-धीमा राग है
भीगी हवाओं में ठंडी-ठंडी आग है
इस हसीन आग में, तू भी जल के देख ले
ज़िंदगी के गीत की, धुन बदल के देख ले
खुलने दे अब धड़कनों की ज़बाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

जाती बहारें हैं उठती जवानियाँ
तारों की छाँव में कह ले कहानियाँ
एक बार चल दिये, गर तुझे पुकार के
लौट कर न आएँगे, क़ाफ़िले बहार के
आजा अभी ज़िंदगी है जवाँ,
सुन जा दिल की दास्ताँ

**ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
| * | ये | रा | त | ये | चाँ | द | नी | फिर | क | हाँ | * |

**सुन जा दिल की दास्ताँ**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

**पेड़ों की शाखों पे सोयी-सोयी चाँदनी**

**तेरे ख़यालों में खोई-खोई चाँदनी**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | २ अक्षर | २ अक्षर | २ अक्षर (गाल) | गा |
| पे | डों की | शा | खों पे | सोई | सोई | चाँद | नी |
| ते | रे ख़ | या | लों में | खोई | खोई | चाँद | नी |

**और थोड़ी देर में, थक के लौट जाएगी**

**रात ये बहार की, फिर कभी न आएगी**

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा |
| * | औ | र | थो | ड़ी | दे | र | में | * | थक | के | लौ | ट | जा | ए | गी |
| * | रा | त | ये | ब | हा | र | की | * | फिर | क | भी | न | आ | ए | गी |

**दो एक पल और है ये समाँ**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
| * | दो | ए | क | पल | औ | र | है | ये | स | माँ | * |

**सुन जा दिल की दास्ताँ**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

लहरों के होंटों पे धीमा-धीमा राग है
भीगी हवाओं में ठंडी-ठंडी आग है

| गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | २ अक्षर | २ अक्षर | २ अक्षर (गाल) | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लह | रों के | हों | टों पे | धीमा | धीमा | राग | है |
| भी | गी ह | वा | ओं में | ठंडी | ठंडी | आग | है |

इस हसीन आग में, तू भी जल के देख ले
ज़िंदगी के गीत की, धुन बदल के देख ले

| ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * | इस | ह | सी | न | आ | ग | में | * | तू | भी | जल | के | दे | ख | ले |
| * | ज़िं | द | गी | के | गी | त | की | * | धुन | ब | दल | के | दे | ख | ले |

खुलने दे अब धड़कनों की ज़बाँ

| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * | खुल | ने | दे | अब | धड़ | क़ | नों | की | ज़ | बाँ | * |

सुन जा दिल की दास्ताँ

| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

जाती बहारें हैं उठती जवानियाँ
तारों की छाँव में कह ले कहानियाँ

| गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | २ अक्षर | २ अक्षर | २ अक्षर (गाल) | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जा | ती ब | हा | रें हैं | उ ठ | ती ज | वा नि | याँ |
| ता | रों की | छाँ | व में | क ह | ले क | हा नि | याँ |

एक बार चल दिये, गर तुझे पुकार के
लौट कर न आएँगे, क़ाफ़िले बहार के

| ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा | ल | गां | ल | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * | ए | क | बा | र | चल | दि | ये | * | गर | तु | झे | पु | का | र | के |
| * | लौ | ट | कर | न | आ | एँ | गे | * | क़ा | फ़ि | ले | ब | हा | र | के |

आजा अभी ज़िंदगी है जवाँ

| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * | आ | जा | अ | भी | ज़िं | द | गी | है | ज | वाँ | * |

सुन जा दिल की दास्ताँ

| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ
चाँदनी रातें प्यार की बातें खो गयी जाने कहाँ
ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

आती है सदा तेरी, टूटे हुए तारों से
आहट तेरी सुनती हूँ, ख़ामोश नज़ारों से
भीगी हवा, ऊड़ी घटा, कहती है तेरी कहानी
तेरे लिये, बेचैन है, शोलों में लिपटी जवानी
सीने में बलखा रहा है धुआँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

लहरों के लबों पर है, खोए हुए अफ़साने
गुलज़ार उमीदों के, सब हो गए वीराने
तेरा पता, पाऊं कहाँ, सूने हैं सारे ठिकाने
जाने कहाँ, गुम हो गए, जाके वो अगले ज़माने
बरबाद है आरज़ू का जहाँ
सुन जा दिल की दास्ताँ

ये रात ये चाँदनी फिर कहाँ

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
| * | ये | रा | त | ये | चाँ | द | नी | फिर | क | हाँ | * |

सुन जा दिल की दास्ताँ

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

चाँदनी रातें प्यार की बातें खो गई जाने कहाँ

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | गां | गा | ग़ा | गा |
| चाँ | द नी | रा | तें | प्या | र की | बा | तें | खो | ग ई | जा | ने क | हाँ | * | * | * |

आती है सदा तेरी, टूटे हुए तारों से

आहट तेरी सुनती हूँ, ख़ामोश नज़ारों से

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा | ग़ा |
| आ | ती | है स | दा | ते | री | * | * | टू | टे | हु ए | ता | रों | से | * | * |
| आ | हट | ते री | सुन | ती | हूँ | * | * | ख़ा | मो | श न | ज़ा | रों | से | * | * |

भीगी हवा, ऊड़ी घटा, कहती है तेरी कहानी

तेरे लिये, बेचैन है, शोलों में लिपटी जवानी

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | गां | गा | ग़ा | गा |
| भी | गी ह | वा | * | ऊ | ड़ी घ | टा | * | कह | ती है | ते | री क | हा | नी | * | * |
| ते | रे लि | ये | * | बे | चै न | है | * | शो | लों में | लिप | टी ज | वा | नी | * | * |

सीने में बलखा रहा है धुआँ

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
| * | सी | ने | में | बल | खा | र | हा | है | धु | आँ | * |

सुन जा दिल की दास्ताँ

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

लहरों के लबों पर है, खोए हुए अफ़साने
गुलज़ार उमीदों के, सब हो गए वीराने

| गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लह | रों | के ल | बों | पर | है | * | * | खो | ए | हु ए | अफ़ | सा | ने | * | * |
| गुल | ज़ा | र उ | मी | दों | के | * | * | सब | हो | ग ए | वी | रा | ने | * | * |

तेरा पता, पाऊँ कहाँ, सूने हैं सारे ठिकाने
जाने कहाँ, गुम हो गए, जाके वो अगले ज़माने

| गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा | गां | गा (लल) | ग़ा | गा (लल) | गां | गा | ग़ा | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ते | रा प | ता | * | पा | ऊँ क | हाँ | * | सू | ने हैं | सा | रे ठि | का | ने | * | * |
| जा | ने क | हाँ | * | गुम | हो ग | ए | * | जा | के वो | अग | ले ज़ | मा | ने | * | * |

बरबाद है आरज़ू का जहाँ

| ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा | ल | गां | ग़ा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| * | बर | बा | द | है | आ | र | ज़ू | का | ज | हाँ | * |

सुन जा दिल की दास्ताँ

| गां | ल | ग़ा | गा | गां | ल | ग़ा | गा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुन | जा | दिल | की | दा | स | ताँ | * |

**Uday Shah**
115/A, Dharmin Nagar,
Kabilpore,
Navsari – 396424 (Gujarat).
(M) 9428882632
Websites : [www.sites.google.com/site/udayshahghazal](http://www.sites.google.com/site/udayshahghazal)